B.A. (Hons & Sub) Part-I
Paper-II
Abnormal Psychology.
By- Dr. Ramendra Kumar Singh
H.O.D; Psychology
D.K. College, Dumraon (Buxar)
V.K.S.U, Ara

A Comperative Study of Freud's, Jung's and Adler's theories of dreams.

or,

Clarify Freud's, Jung's and Adler's theories of dreams by giving a suitable example of dream.

स्वप्न की उलझी गुत्थियों को सुलझाने के लिये मनोवैज्ञानिकों के द्वारा कई सिद्धान्त प्रस्तुत किये गये, जिन्हें "Psychological theories of dreams" के नाम से जाना जाता है। इनमें फ्रायड, जुंग एवं एडलर द्वारा स्थापित स्वप्न सिद्धान्तों का विशेष स्थान है। तीनों Psychoanalysis के महत्व को स्वीकारते हैं, लेकिन कुछ मुद्दों पर एक दूसरे से भिन्नता भी रखते हैं। इन तीनों द्वारा स्थापित सिद्धान्तों का तुलनात्मक अध्ययन समानता एवं विभिन्नताओं के आधार पर किया जायेगा जो निम्नवत् है।—

समानताएँ :-

फ्रायड, जुंग एवं एडलर तीनों इस बात से सहमत हैं कि स्वप्न के माध्यम से अतृप्त इच्छाओं की तृप्ति होती है। फ्रायड के अनुसार अतृप्त कामुक इच्छाओं की तृप्ति होती है। युंग के अनुसार Will to Live जैसी मौलिक इच्छाओं की तृप्ति होती है जबकि Adler का मानना है कि हम स्वप्न 'Striving for Superiority' की तृप्ति के लिये देखते हैं।

तीनों ही स्वप्न में प्रतीक के महत्व को स्वीकारते हैं, लेकिन प्रतीकों का अर्थ अपने अपने ढंग से लगाते हैं।

तीनों द्वारा स्थापित सिद्धान्तों का आगमन Psychoanalysis के कोख से हुआ और सभी पर इसका असर दिखता है।

अन्तर :-

कुछ समानताओं के बावजूद तीनों सिद्धान्तों में मूलभूत अन्तर है जो निम्न लिखित है।—

1.) फ्रायड के अनुसार स्वप्न के माध्यम से अचेतन की दमित इच्छाओं की तृप्ति होती है और ये इच्छाएँ कामुक होती हैं। युंग का मानना है कि स्वप्न में कामुक इच्छाओं की तृप्ति के अलावे "दूसरी वैसी इच्छाओं जो जीने के लिए आवश्यक होती हैं" की भी तृप्ति होती है। जबकि एडलर के अनुसार Striving for Superiority से

सम्बन्धित अतृप्त इच्छाओं की तृप्ति होती है।

(2) तीनों ही स्वप्न सिद्धान्तों का तुलनात्मक अध्ययन करने पर हम पाते हैं कि फ्रायड दमन को अधिक महत्व देते हैं। उनके अनुसार दमन द्वारा असंतुष्ट कामुक इच्छाएँ अचेतन मन में चली जाती हैं और यही स्वप्न में आकर तृप्त होती हैं। यानी इच्छाओं ~~का~~ Repression होना आवश्यक है- स्वप्न के लिए।

युंग के अनुसार दमन का होना आवश्यक नहीं है। केवल Personal unconscious के साथ ऐसा होता है। Racial unconscious में पूर्वजों से मिले विचार पहले से ही संचित होते हैं। एडलर स्वप्न में वर्तमान की अतृप्त इच्छाओं को तृप्त होना बताते हैं।

(3) तीनों का तुलनात्मक अध्ययन करने पर पाते हैं कि फ्रायड स्वप्न में Past experiences को ज्यादा तरजीह देते हैं जबकि एडलर स्वप्न के लिए Present experiences एवं वर्तमान की घटनाओं को ज्यादा तरजीह देते हैं। उनसे दोनों युंग Present, Past and Future तीनों को मानते हैं लेकिन Future की experiences को तुलनात्मक रूप से कुछ ज्यादा ही तरजीह देते हैं।

(4) फ्रायड ने स्वप्न में आये Symbols को विश्वजनीन (Universal) माना है। एक तरह से सामान्यीकरण करते हैं। दूसरी तरह Jung मानते हैं कि स्वप्न में वैयक्तिक विभिन्नता होती है। Symbols का अर्थ व्यक्ति गत होता है। एडलर Symbols को ज्यादा तरजीह न देकर वर्तमान से इसका सम्बन्ध जोड़ते हैं।

(5) फ्रायड के स्वप्न सिद्धान्त को Psychoanalysis theory या wishfulfilment theory के नाम से जाना जाता है जबकि युंग के सिद्धान्त को Analytical theory या Auto Symbolic theory के नाम से जाना जाता है। Freud libido को अर्थात् सेक्स, सभी कार्यों का मूल मानते हैं। Jung इसके स्थान पर will to live को सभी कार्यों का मूल मानते हैं। एडलर के सिद्धान्त को Individual theory of dream के नाम से जाना जाता है। ये वर्तमान को तरजीह देते हुए हीनता की भावना की स्थापना को स्वप्न का आधार मानते हैं।

इस तरह देखते हैं कि तीनों सिद्धान्त आपस में आंशिक समानता रखते हैं, लेकिन तीनों में कई बिन्दुओं पर अन्तर है जिसे एक उदाहरण द्वारा स्पष्ट किया जा रहा है।—

Scanned with CamScanner

उदाहरण :—

एक व्यक्ति अपने स्वप्न में देखता है कि वह अपनी माँ और बहन के साथ किसी पहाड़ पर चढ़ रहा है। पहाड़ पर चढ़ने के लिये सीढ़ियाँ बनी हुई हैं। सीढ़ियों से चढ़ते-चढ़ते सबसे ऊँची चोटी पर पहुँचता है। जैसे ही वह ऊँची चोटी पर पहुँचता है उसे जानकारी मिलती है कि उसकी बहन जो गर्भवती थी उसे एक बच्चा पैदा हो गया है।"

इस स्वप्न की व्याख्या फ्रायड की मनोविश्लेषण के आधार पर करने पर पाते हैं कि इस स्वप्न के माध्यम से उस आदमी की बाल्यावस्था की दमित कामुक इच्छा की तृप्ति हुई। सीढ़ी पर चढ़ना Sexual intercourse है। माँ और बहन का होना Infantile Sexuality का प्रतीक है जबकि बच्चा का जन्म होना Sex का outcome है।

युंग के अनुसार माँ और बहन का साथ होना प्रेम और सहानुभूति का प्रतीक है, सीढ़ी चढ़ना जीवन में सफल होने की चाहत है। पहाड़ पर चढ़ने में सफल होना, जीवन की सफलता की चाहत पूरा होना है, तथा बच्चा पैदा लेना भावी जीवन की सुखमय होने का संकेत है।

एडलर के स्वप्न सिद्धान्त में इसका कुछ अलग ही अर्थ निकलता है। सीढ़िया चढ़ना जीवन के संघर्ष पर विजय पाने की इच्छा का प्रतीक है। माँ और बहन का साथ होना आत्मविश्वास एवं स्वावलंबन का प्रतीक है। ऊँचाई पर पहुँचना और बच्चा पैदा होना- लक्ष्य की प्राप्ति है तथा श्रेष्ठता की भावना की तृप्ति है।

इस प्रकार स्पष्ट हो जाता है कि स्वप्न के तीनों सिद्धान्तों का आधार अलग-अलग है। इसमें कौन सही और कौन गलत है - यह निर्णय लेना कठिन है। निष्कर्षत: कहा जा सकता है कि स्वप्न की वैज्ञानिक एवं विश्वसनीय व्याख्या के लिए तीनों दृष्टिकोणों को मिलाकर एक समग्र दृष्टिकोण wholistic approach को अपनाने की आवश्यकता है।

R K Singh
11.05.2020
डॉ० रमेन्द्र कु० सिंह
विभागाध्यक्ष
मनोविज्ञान विभाग
डी० के० कॉलेज
डुमराँव
(बक्सर)
VKSU, Ara

Scanned with CamScanner

उदाहरण :- एक व्यक्ति अपने स्वप्न में देखता है कि वह अपनी माँ और बहन के साथ किसी पहाड़ पर चढ़ रहा है। पहाड़ पर चढ़ने के लिये सीढ़ियाँ बनी हुई है। सीढ़ियों से चढ़ते-चढ़ते सबसे ऊँची चोटी पर पहुँचता है। जैसे ही वह ऊँची चोटी पर पहुँचता है उसे जानकारी मिलती है कि उसकी बहन जो गर्भवती थी उसे एक बच्चा पैदा हो गया है।

इस स्वप्न की व्याख्या फ्रायड की मनोविश्लेषण के आधार पर करने पर पाते हैं कि इस स्वप्न के माध्यम से उस आदमी की बाल्यावस्था की दमित कामुक इच्छा की तृप्ति हुई। सीढ़ी पर चढ़ना Sexual intercourse है। माँ और बहन का होना Infantile Sexuality का प्रतीक है जबकि बच्चा का जन्म होना sex का outcome है।

युंग के अनुसार माँ और बहन का साथ होना प्रेम और सहानुभूति का प्रतीक है, सीढ़ी चढ़ना जीवन में सफल होने की चाहत है। पहाड़ पर चढ़ने में सफल होना, जीवन की सफलता की चाहत पूरा होना है, तथा बच्चा पैदा होना भावी जीवन की सुरक्षमय होने का संकेत है।

एडलर के स्वप्न सिद्धान्त में इसका कुछ अलग ही अर्थ निकलता है। सीढ़िया चढ़ना जीवन के संघर्ष पर विजय पाने की इच्छा का प्रतीक है। माँ और बहन का साथ होना आत्मविश्वास एवं स्वालंबन का प्रतीक है। ऊँचाई पर पहुँचना और बच्चा पैदा होना - लक्ष्य की प्राप्ति है तथा श्रेष्ठता की आकांक्षा की तृप्ति है।

इस प्रकार स्पष्ट हो जाता है कि स्वप्न के तीनों सिद्धान्तों का आधार अलग-अलग है। इसमें कौन सही और कौन गलत है - यह निर्णय लेना कठिन है। निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि स्वप्न की वैज्ञानिक एवं विश्वसनीय व्याख्या के लिए तीनों दृष्टिकोणों को मिलाकर एक समग्र दृष्टिकोण Wholistic approach को अपनाने की आवश्यकता है।

R K Singh
11.05.2020

डॉ० रमेन्द्र कु० सिंह
विभागाध्यक्ष
मनोविज्ञान विभाग
वी० के० कॉलेज
डुमरॉव
(बक्सर)
VKSU, Ara

Scanned with CamScanner